शेर को मत डराना

मार्गरेट वाइज़ ब्राऊन

चित्र : एच. ए. रे

हिंदी : अरुण श्रीवास्तव

शेर को मत डराना

मार्गरेट वाइज़ ब्राऊन

चित्र : एच. ए. रे

हिंदी : अरुण श्रीवास्तव

एक दिन बड़ी-बड़ी मूछों वाले मुच्छड़ राम अपने नन्हे कुत्ते से बोले, “चलो पार्क में चलते हैं। वहाँ चिड़ियाघर में पशुओं को देखना"। और फिर वे पार्क में चले गए।

चिड़ियाघर में लिखा था *यहां कुत्तों को अनुमति नहीं है.* फिर कुत्ता और मुच्छड़ वहीं रुक गए। कहीं पर एक शेर दहाड़ रहा था और सील भौंक रही थी। बंदरों के बाड़े से उनकी आवाज़ें सुनाई दे रही थीं मगर वे अंदर नहीं जा पाए। बेचारों को वापस लौटना पड़ा।

छोटा कुत्ता उदास हो गया। उसके कान लटक गए। पूँछ और बाल एक दम बेजान हो गए।

वह बहुत ही उदास हो चला।

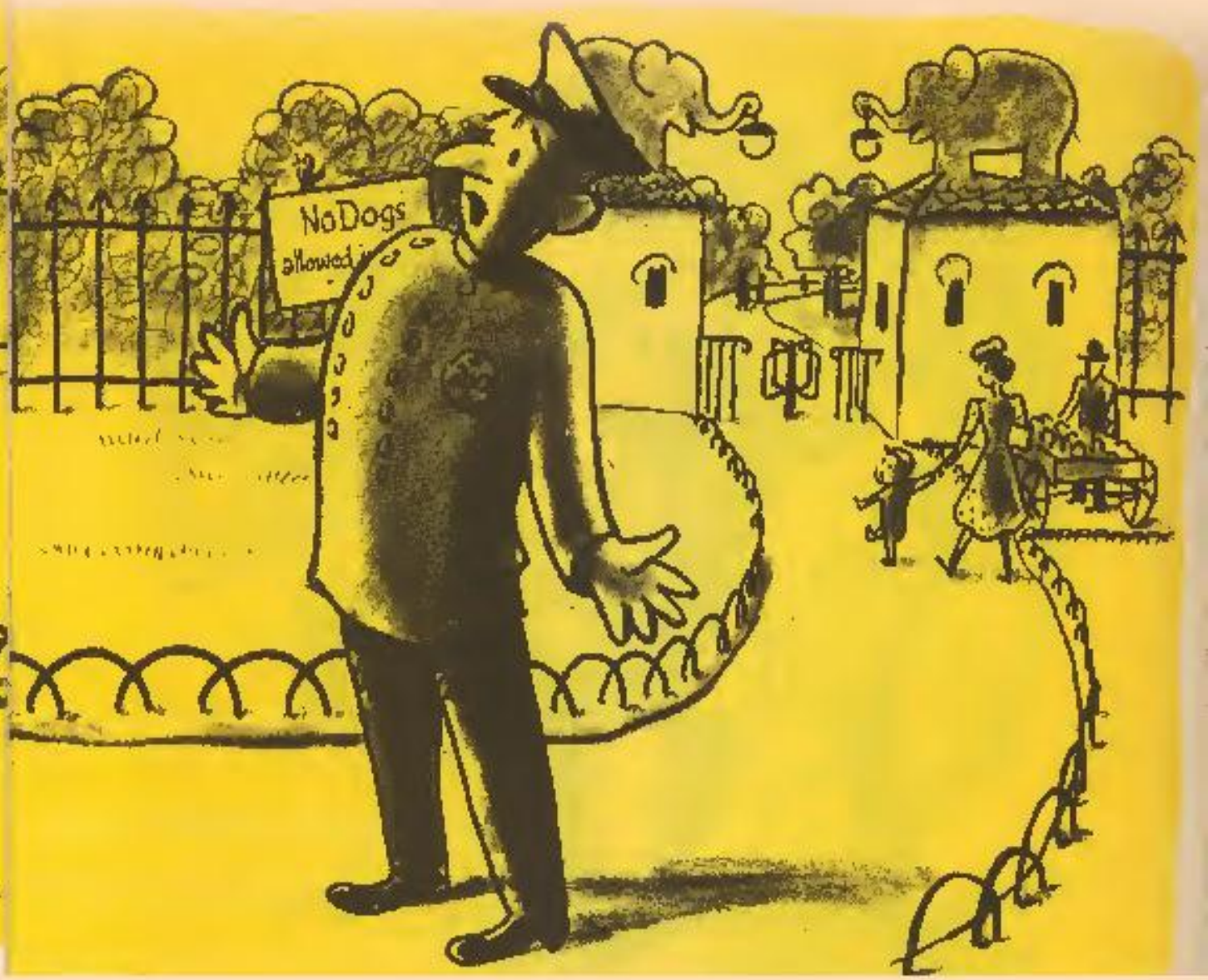

चिड़ियाघर के रक्षक से उन्होंने कहा, "देखो मेरा नन्हा सा कुत्ता कितना दुखी है। जब हमने वह सूचना पढ़ी तो अंदर नहीं जा सके। देखिये ना! कैसे उसके कान उसकी पीठ पर नीचे गिर गए हैं। बाल और पूँछ भी एक दम निढाल हैं। वह उदास है।“

दुःखी हो कर रक्षक बोला, “अगर कोई बच्चा होता, यहां तक कि बच्चे की तरह यदि दिखता भी, तो अन्दर जा सकता था। लेकिन एक छोटा कुत्ता जानवरों को डरा देगा। खास कर शेर को”।

"अरे हाँ !" मुच्छड़ बोले। “मैं उसे एक बच्चे के रूप में तैयार करूँगा। वादा, वह शेर को नहीं डराएगा।“

वे एक नाई के यहाँ गए और कुत्ते के बाल लड़की की तरह बनवाए।

एक दुकान से उन्होंने कुत्ते के लिए झर-बेरी से सजी टोपी और एक चित्तीदार फ्रोक ख़रीदी।

धारीदार मोज़े और लाल जूते भी!

लेकिन कुत्ता अभी भी वैसा ही दिख रहा था, तो उन्होंने उसके लिए नीला चश्मा और पीले दस्ताने की एक जोड़ी ली। साथ में इत्र भी लगा दिया।

इसके बाद उन्होंने कुत्ते को दो पैरों पर चलना सिखाया।

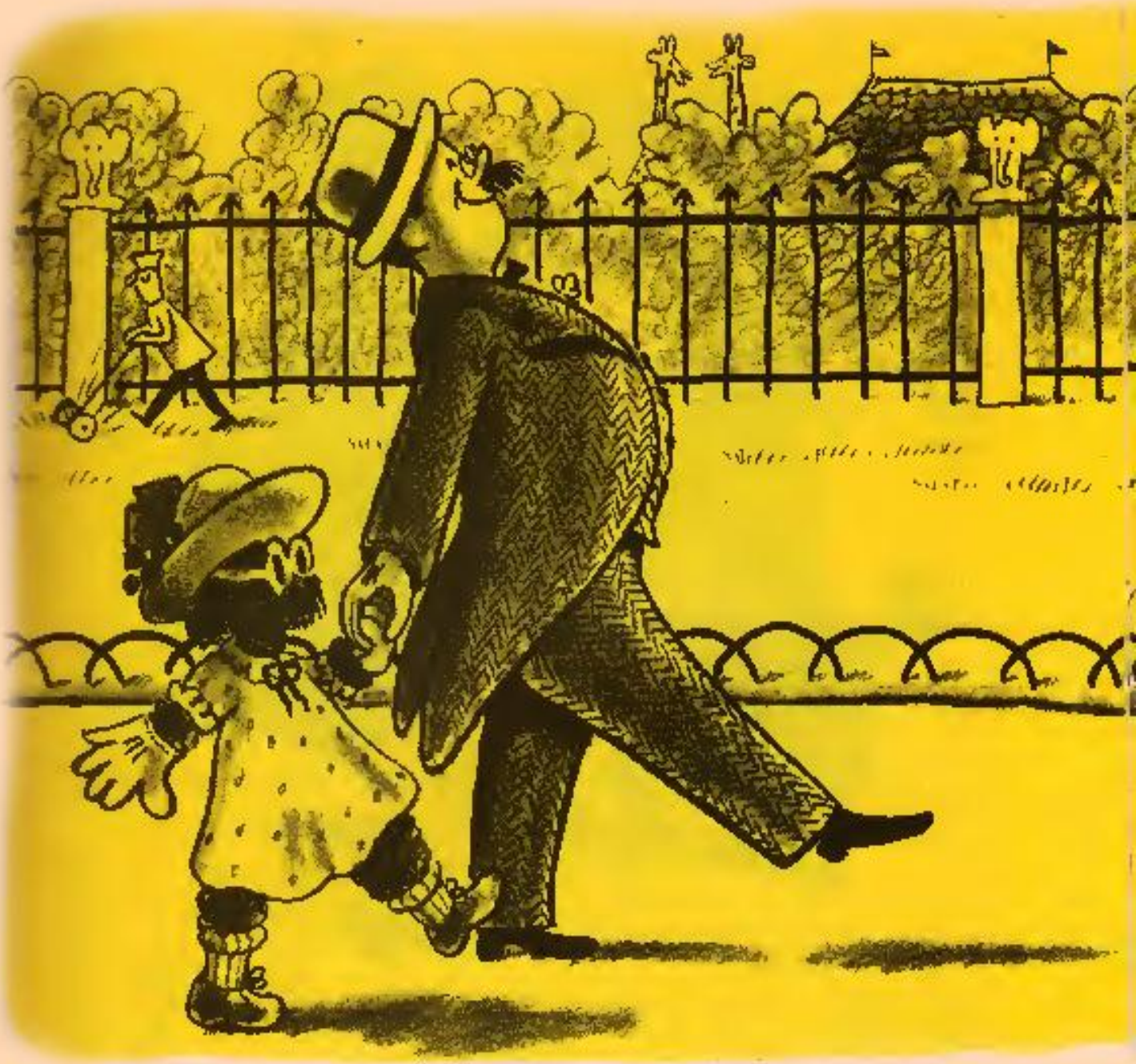

इसके बाद वे फिर से चिड़ियाघर चल पड़े। फाटक पर ही उन्हें रक्षक मिल गया और वह मुस्कराकर बोला, "क्या खूब! आपकी नन्ही बेटी बड़ी सुंदर है। बेटी भौंकना नहीं। घास से दूर रहना, और शेर को मत डराना।" इतना कह कर वह चला गया।

और फिर नन्हा कुत्ता एक बच्ची की तरह
कपड़े पहने चिड़ियाघर के अंदर आ गया।

“अरे, अरे! देखो तो सील”।

कुत्ते ने चिकनी सील देखी जो आसानी से पानी के अंदर बाहर फिसल रही थी। सील से ठंडी गंध आ रही थी। उसे अब पता चला कि सील कैसी होती है।

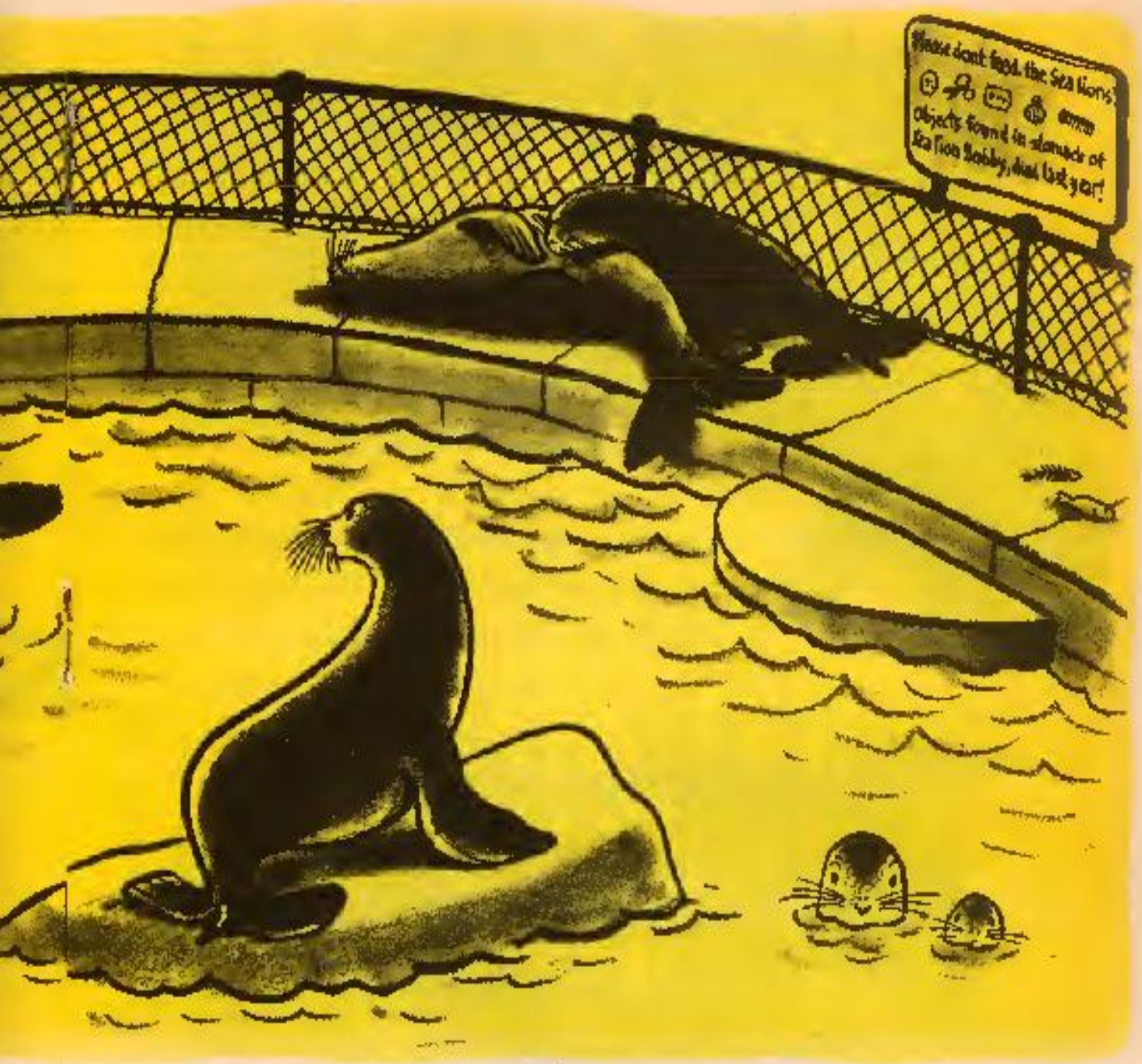
Please don't feed the sea lions!
objects found in stomach of
Sea Lion Bobby, died last year!

आगे शेर था - घ र्र र्र, घ र्र र्र.

पीला, डरावना, मगर बड़ा बहादुर लगता था। अब उसे पता चला की शेर कैसा होता है, परंतु शेर को नहीं मालूम था कि बच्ची के वेष में कौन था।

फिर उन्हों ने तेंदुए देखे, उनके साथ में बहुत सारे बच्चे भी थे।

आगे उन्होंने ध्रुव देश के सफ़ेद भालू देखे जो ठंडे पानी में तैर रहे थे और मछली खा रहे थे।

कुछ और आगे भूरे भालू रोटी खा रहे थे, और कुछ पेड़ पर थे। भालू भालुओं कि तरह ही महक रहे थे।

उन्होंने देखा एक रकून अपने हाथ और खाने को पानी में डुबो रहा था जैसा कि वे अक्सर करते हैं।

आगे ज़ेब्रा थे जो धारीदार घोड़े जैसे लगते थे और उनसे घोड़ों की गंध आती थी, परंतु वे भौंकते थे।

उन्होंने लाल लोमड़ी,

और जुड़वा बच्चों
के साथ मादा
कंगारू भी देखे।

हंसमुख
लकड़बग्घा भी
दिखा मगर
वह हँसता
नहीं था।

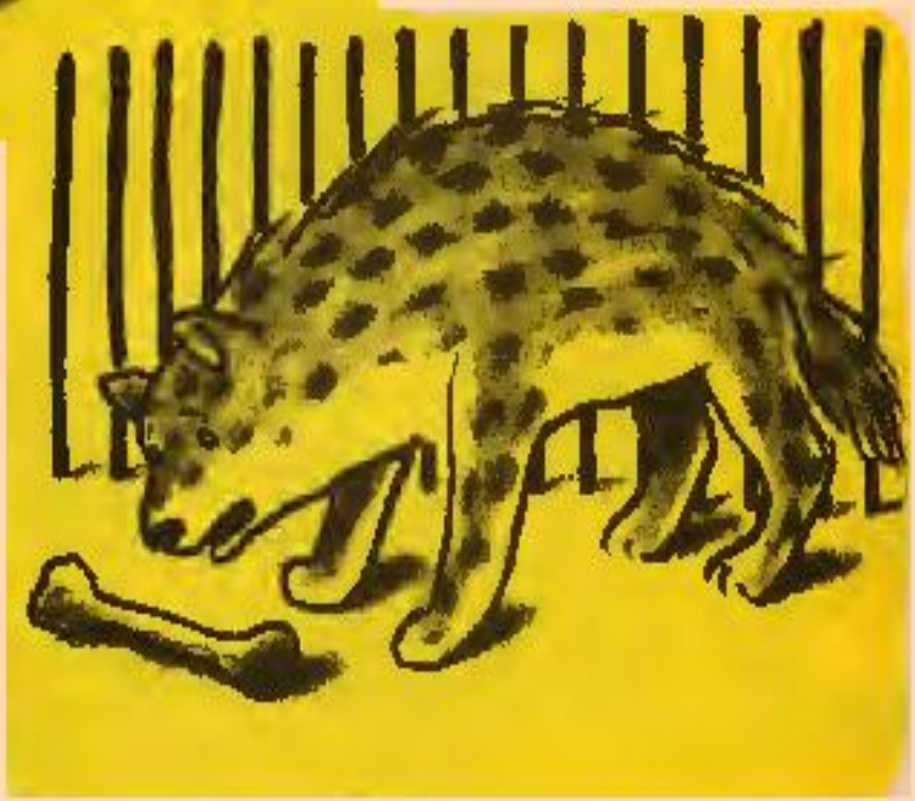

और फिर वे बंदर के बाड़े की तरफ गए।

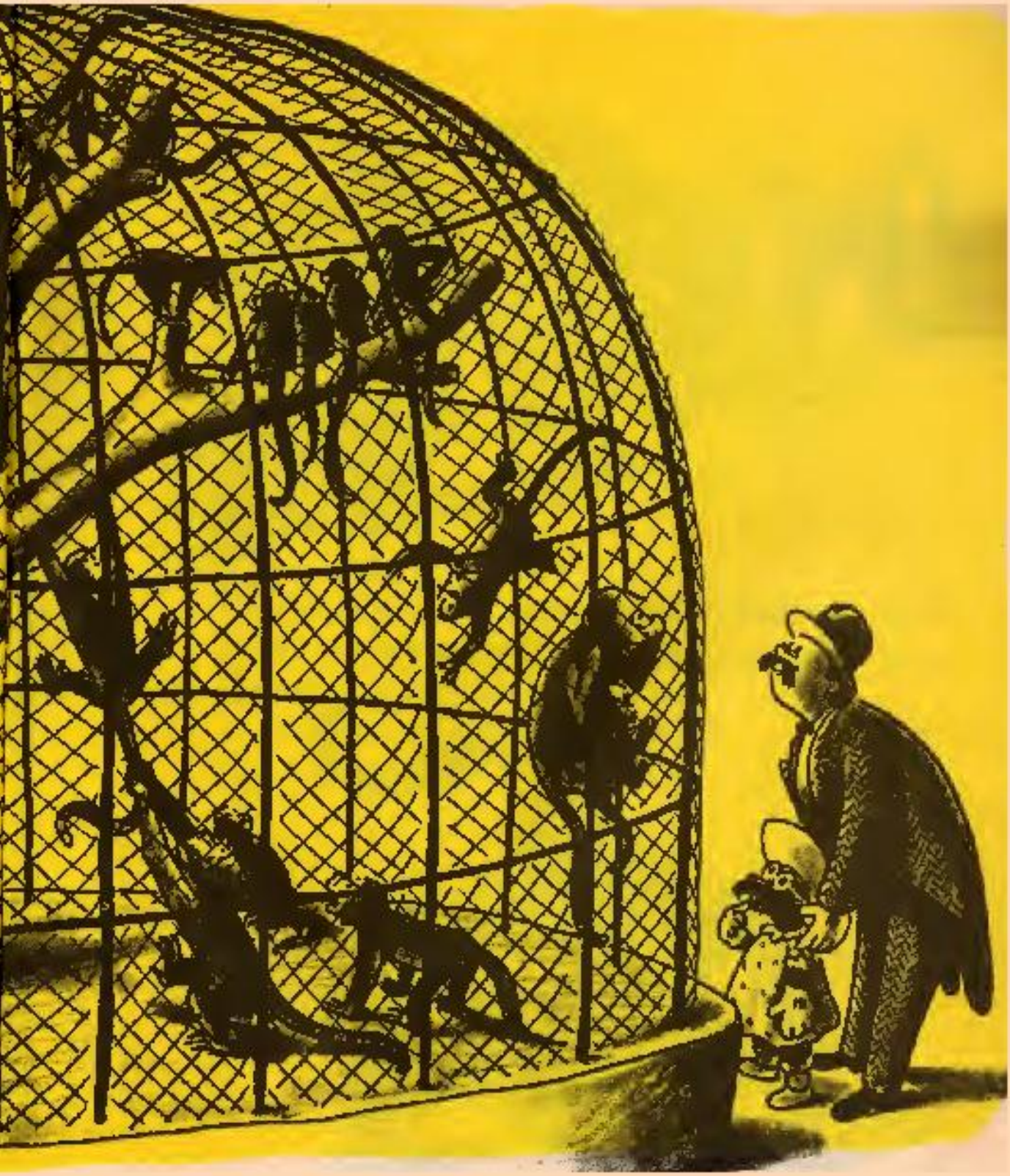

वहाँ केवल बंदर थे।

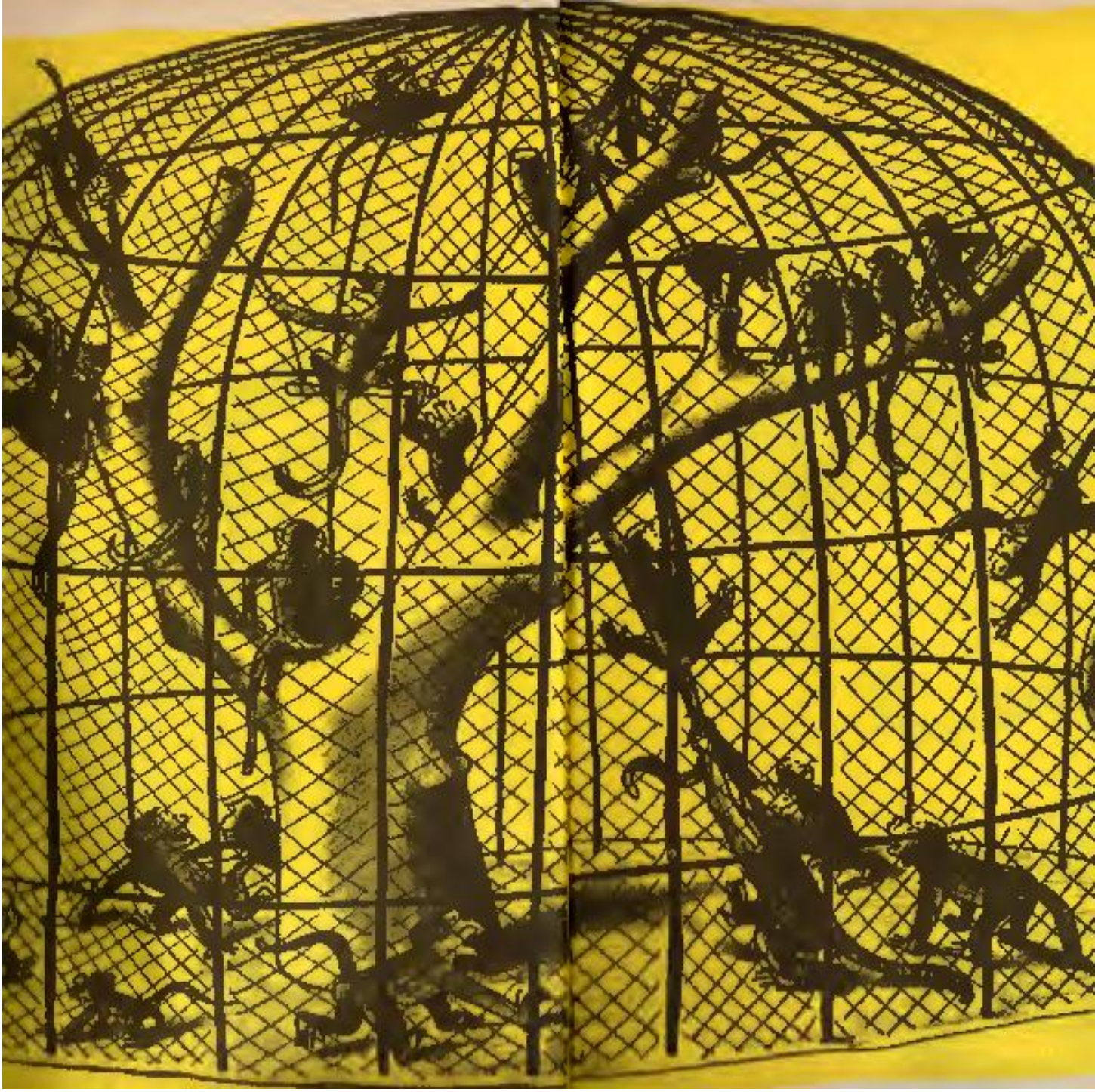

एक लंगूर केला खा रहा था।

एक बंदर उल्टा खड़ा होकर दुनिया का नज़ारा ले रह था।

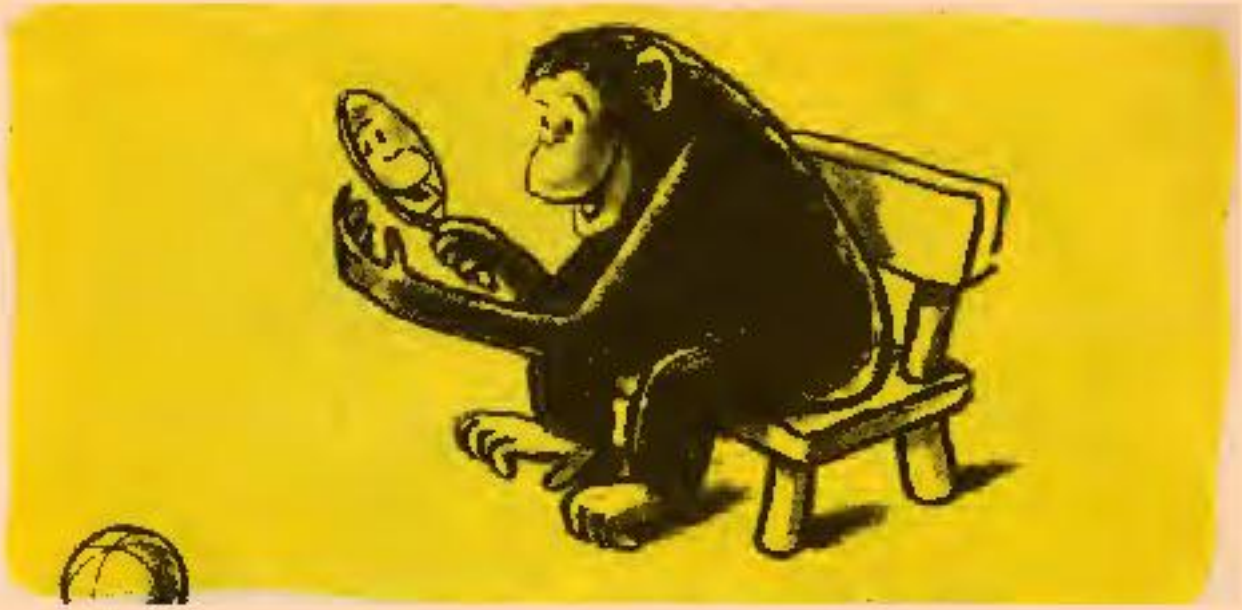

एक छोटा काला वनमानुष अपने को आईने में पकड़ने का प्रयास कर रहा था,

और थोड़े से सलेटी बंदर आपस में एक दूसरे को खुजला रहे थे।

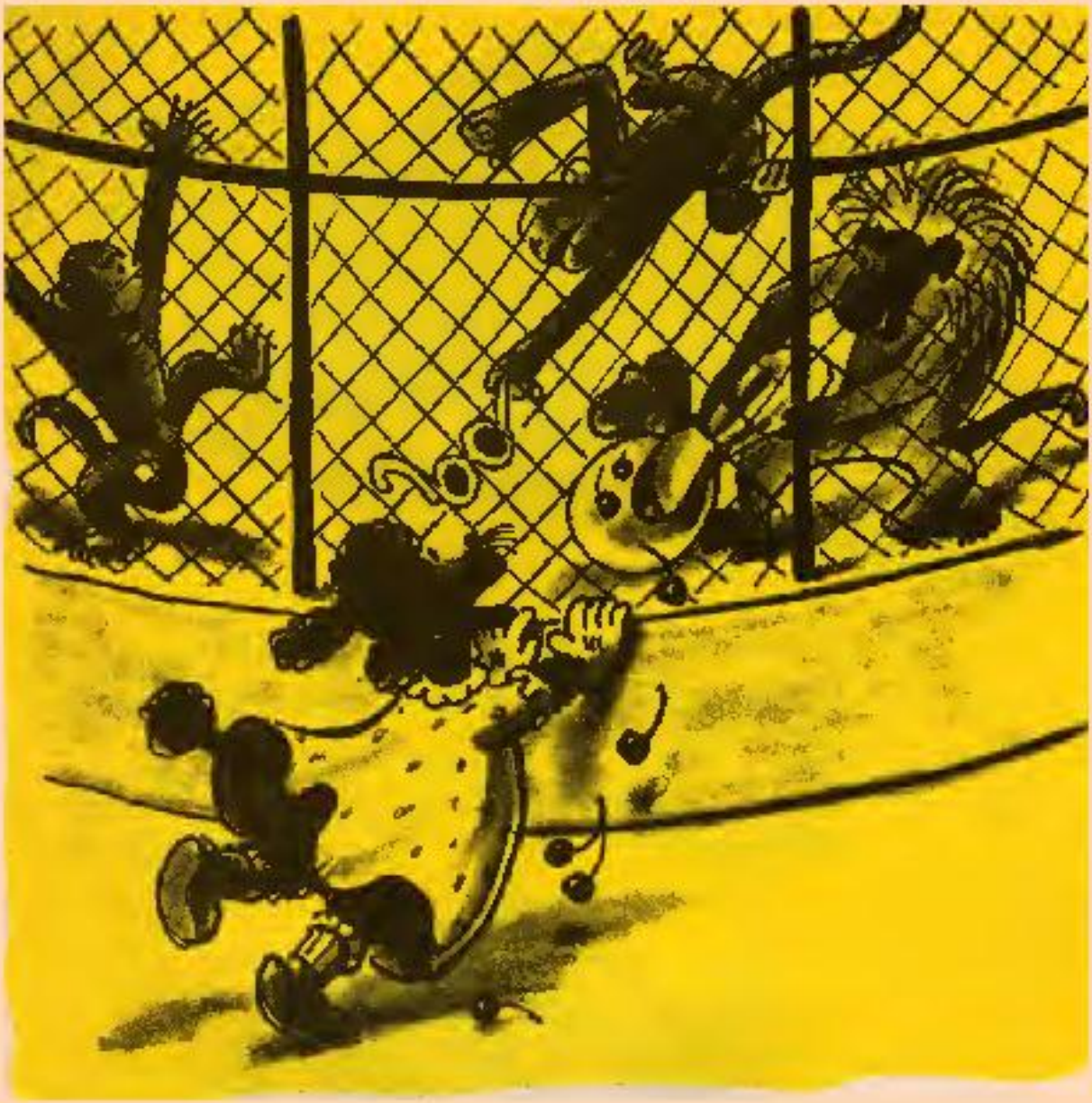

छोटे कुत्ते ने जैसे ही बंदरों की ओर कदम बढ़ाया कि बंदरों में से एक ने उसकी टोपी झपट ली। यही नहीं, चश्मा और दस्ताने भी छीन लिए.

फिर फ्रोक और एक जूता भी चला गया।
"उफ़!" नन्हा कुत्ता बोला। फिर उसने उड़ते
कपड़ों से अपने सर को ढंका।

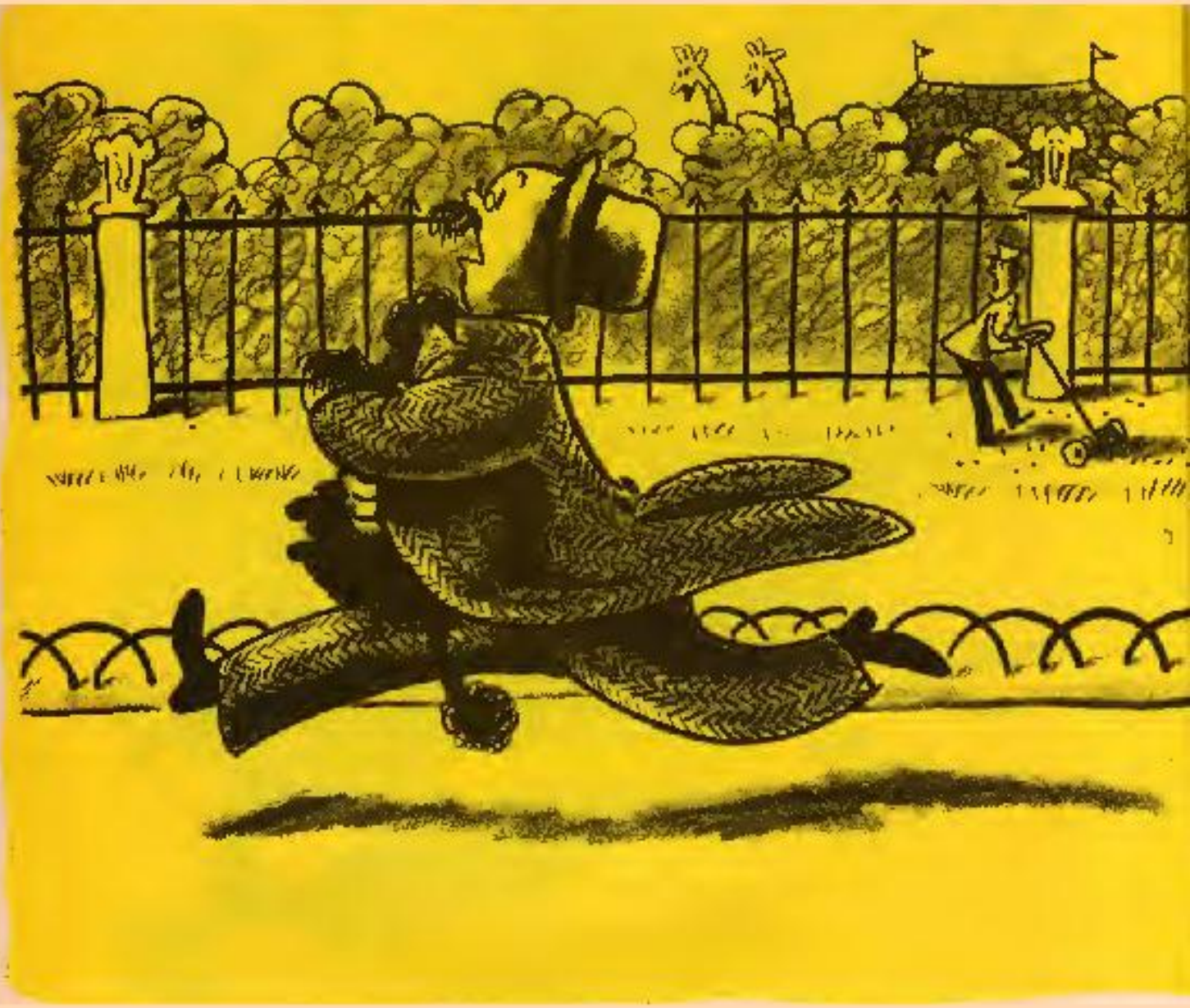

"संभल कर," मुच्छड़ बोले। अब तुम वापस कुत्ते ही बन गए हो। बेहतर है अब यहाँ से खिसक लें।"

उन्होंने कुत्ते को गोद में उठाया और अपने कोट में छुपा लिया ताकि वह शेर को डरा न सके, और वे चुपचाप वहां से निकल गए, घर की ओर।

घर

छोटा कुत्ता चिड़ियाघर में जाना चाहता है.
पर चिड़ियाघर का रखवाला उसे अन्दर नहीं जाने देगा
क्योंकि वो शेर को डरा सकता था.
बताओ अब कुत्ता क्या करे?